UNNAT BHARAT ABHIYAN

Regional Coordinating Institute, Indian Institute of Technology Roorkee

(News Clipping)

सोमवार, 21 सितम्बर 2020

आइआइटी रुड़की में संगोष्ठी का आयोजन, आत्मनिर्भर भारत बनाने पर विषय विशेषज्ञों के बीच हुआ गंभीर मंथन

ग्रामीण भारत की मजबूती को अपनाएं जैविक खेती

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। आईआईटी रुड़की ने ग्रामीण विकास में जैविक खेती की महत्ता पर इंस्टीट्यूट लेक्चर आयोजित किया। 'ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत में जैविक खेती का योगदान' विषय पर इस पहल को रीजनल कार्डिनेटिंग इंस्टीट्यूट, उन्नत भारत अभियान और आईआईटी रुड़की द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

इवेंट का मकसद समग्र सामुदायिक विकास सुनिश्चित करने और ग्रामीण भारत के विकास की राह मजबूत बनाने में जैविक खेती के योगदान पर विचार साझा करना और छात्रों को कृषि संबंधित चुनौतियों से अवगत कराना था। आरसीआई-यूबीए के समन्वयक प्रो. आशीष पांडे ने वेबिनार का शुभारंभ किया। वेबिनार में भारतीय किसान, शिक्षक, प्रशिक्षक भारत भूषण त्यागी ने कहा कि कृषि ग्रामीण भारत का आधार है और यह क्षेत्र देश में सबसे बड़ा नियोक्ता है। कृषि आधार को मजबूत बनाने से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, रोजगार पैदा करने, सहायक औद्योगिक विकास को सुगम बनाने और राष्ट्रीय आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। भारतीय युवाओं को कृषि और इससे संबद्ध क्षेत्रों में रोजगार के लिए आगे आना चाहिए, क्योंकि यह क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम योगदान दे सकता है। मुफ्त सुविधाओं के साथ 80,000 से ज्यादा किसानों को प्रशिक्षित करने के बाद उनके प्रयासों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को बढ़ावा दिया है। आईआईटी रुड़की के उपनिदेशक प्रो. एम परीदा ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए हमारी प्रेरणा को भारत भूषण त्यागी जी के अनुभव से ताकत मिलेगी। ग्रामीण इलाकों में जैविक खेती की लोकप्रियता बढ़ाने में अहम योगदान दिया गया है और यूबीए संस्थानों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

संगोष्ठी के दौरान चर्चा करते विषय विशेषज्ञ।